लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2375

08 दिसम्बर, 2014 को उत्तर के लिए

लौह अयस्क का उत्पादन

2375. श्री शरद त्रिपाठी:
श्री लक्ष्मण गिलुवा:
श्रीमती सकुंतला लागुरी:
श्री हरिश्चन्द्र चव्हाण:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में लौह-अयस्क का उत्पादन मांग के अनुरूप है;

(ख) यदि हां, तो देश में सरकारी और निजी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों द्वारा उत्पादित लौह अयस्क की कितनी मांग है;

(ग) क्या लौह-अयस्क के उत्पादन और मांग के मध्य अंतर को देखते हुए इसका विदेशों से आयात किया जाता है;

(घ) यदि हां, तो देश में कुल उत्पादन में से लौह-अयस्क के निर्यात का हिस्सा कितना है; और

(ङ) सरकार द्वारा देश में लौह-अयस्क के उत्पादन को बढ़ाने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री **श्री विष्णु देव साय**

(क) और (ख) : जी, हॉ। देश में लौह अयस्क का समग्र उत्पादन घरेलू उद्योग की खपत से अधिक रहा है। वर्ष 2013-14 के दौरान लौह अयस्क का कुल उत्पादन लगभग 152.43 मिलियन टन है जबकि अनुमानित खपत लगभग 110.50 मिलियन टन है।

(ग) लोहा और इस्पात नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। लौह अयस्क के आयात के संबंध में निर्णय व्यक्तिगत इस्पात उत्पादकों द्वारा अपनी आवश्यकताओं और वाणिज्यिक सोच-विचारों इत्यादि के आधार पर लिए जाते हैं।

(घ) वर्ष 2013-14 के दौरान देश से लौह अयस्क का लगभग 14.41 मिलियन टन निर्यात हुआ था जोकि कुल उत्पादन का लगभग 9.4 प्रतिशत है।

(ड़.) इस्पात क्षेत्र की मांगों को पूरा करने और लौह अयस्क के घरेलू उत्पादन की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा लौह अयस्क पर यथामूल्य 30 प्रतिशत निर्यात शुल्क और लौह अयस्क पैलेट पर यथामूल्य 5 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाकर वित्तीय उपाय किए गए हैं।

***